B.Ed. II year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- पाठ्यक्रम संगठन की उप विषय पद्धति

उप विषय पद्धति (Sub-Subject method)

उपविषय पद्धति मे विभिन्न कक्षाओ हेतु बालको के मानसिक स्तर तथा आयु के अनुसार उप-विषय निर्धारित किये जाते है और यह उप विषय पूर्णतया उसी कक्षा या कक्षाओ मे समाप्त कर दिए जाते है। साथ-ही-साथ बालको का उन विषयो के प्रश्नो को हल करने का अभ्यास उसी स्तर पर कर दिया जाता है।

उपविषय पद्धति के गुण :

⇒ अधिक समय तक पढ़ने तथा अभ्यास करने के कारण बालक उस विषय का पूर्ण ज्ञाता हो जाता है तथा उसे भलि-भाँति समझ जाता है।

⇒ बालको का अधिक समय तक एक ही उप-विषय पढ़ते रहने से उनका ध्यान उप-विषय पर केन्द्रित रहता है।

⇒ इस पद्धति द्वारा पर्याप्त मात्रा मे अधिक समय तक उस विषय के प्रश्न निकालने का अभ्यास हो जाता है, जो आगे चलकर बालको के लिए बड़ा लाभदायक सिद्ध होता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

Page No.
DATE: / /

उप विषय पद्धति के दोष :

⇒ उप विषय पद्धति में सहसम्बन्ध से प्राप्त होने वाले लाभ विद्यार्थियों को नहीं मिल पाते, क्योंकि इस पद्धति के अनुसार एक समय में केवल एक ही उप विषय पढ़ाया जाता है।

⇒ उप विषय पद्धति में विषय "सरल से कठिन की ओर" आधार पर संगठित नहीं किया जा सकता क्योंकि ~~प्रत्येक~~ प्रत्येक उप विषय के सरल तथा जटिल प्रत्येक प्रकार के प्रश्न उसी कक्षा में समाप्त कर दिए जाते हैं।

⇒ बालक अधिक समय तक एक ही विषय के प्रश्न निकालते - 2 उस उप विषय के प्रति अपनी रूचि खो बैठता है तथा विषय अरुचिपूर्ण हो जाता है।

⇒ उस उप विषय के प्रश्नों में विभिन्नता न होने के कारण बालक एक ही प्रकार के प्रश्नों को केवल मशीन की तरह ही निकालते रहते हैं।

Scanned with CamScanner